www.facebook.com/rashtriyasahara https://twitter.com/SaharaRashtriya

राष्ट्रीय सहारा

नई दिल्ली ■ लखनऊ ■ गोरखपुर ■ पटना ■ कानपुर ■ देहरादून ■ वाराण

राष्ट्रीयता ■ कर्त्तव्य ■ समर्पण

नई दिल्ली। मंगलवार • 2 फरवरी • 2021 | राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com |

कहीं नाराजगी तो कहीं सराहना

नई दिल्ली (एनएनबी)। उच्च शिक्षा बजट को लेकर शिक्षाविदों ने अपनी अलग-अलग राय दी है। कुछ शिक्षाविदों ने तो इसकी सराहना की है तो कुछ ने इस उच्च शिक्षा के निजीकरण करने वाला बजट करार दिया है और बजट में कटौती को लेकर नाराजगी जताई है।

रुचिका रूमा राजेश पंकज

डीयू के कार्यकारी परिषद के सदस्य डॉ. राजेश झा ने उच्च शिक्षा के निजीकरण को बढ़ावा देने वाला बजट बताया। डॉ. झा ने कहा कि पिछले सालों की तरह इस बार भी उच्च शिक्षा के ऊपर होने वाले खर्च में वस्तुतः कोई बढ़ोत्तरी नहीं है। श्रद्धानंद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रवीन गर्ग ने शिक्षा बजट की सराहना की है। उन्होंने कहा कि इस बजट से शिक्षा प्रणाली मजबूत होगी। साथ ही कौशल विकास से आत्मनिर्भर भारत अभियान सशक्त होगा। कांग्रेसी शिक्षक संगठन इंटेक के संयोजक डॉ. पंकज गर्ग ने कहा कि शिक्षा में सरकार द्वारा 2021 के बजट में भारी कटौती की गई है। 2020 में शिक्षा में 99,300 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था जबकि इस बार 93,224 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया जो कि 6 हजार करोड़ रुपए से भी ज्यादा कटौती है। सरकार शिक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारियों से भाग रही है और शिक्षा को पूंजीपतियों के हाथ में सौंपने की तरफ यह एक और कदम है। गुरु हरकिशन पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य रुचिका राय मदान ने कहा कि शिक्षा नीति को लेकर स्कूल को काफी प्रोत्साहन दिया गया है।

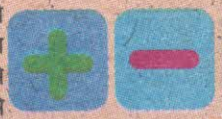

इसके तहत 15 हजार स्कूलों को सशक्त किया जाएगा। 30 लाख एलिमेंट्री स्कूल के शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया और 56 लाख शिक्षकों को और प्रशिक्षित किया जाएगा, यह सराहनीय कदम है। विदेशी शिक्षा उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ एकेडमिक गठजोड़ की योजना काफी सराहनीय है। सरकार ने एनजीओ और निजी स्कूलों की साझेदारी 100 स्कूल खोलने की घोषणा की है, वह एक सराहनीय कदम है।